राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–184/2023

राजभवन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया

पटना, 05 जून, 2023 :– महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन, बिहार के राजेन्द्र मंडप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को लेकर आयोजित सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के विविध पहलुओं पर व्यापक विचार–विमर्श के लिए इसका आयोजन किया गया है।

राज्यपाल ने संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर इस सेमिनार के आयोजन को एक सुखद संयोग बताते हुए कहा कि लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने शिक्षा पर भी चिंतन किया था। जे०पी० का मानना था कि समग्र क्रांति में ही देश की सर्वांगीण प्रगति निहित है तथा शिक्षा इसका एक महत्वपूर्ण अंग है।

राज्यपाल ने सेमिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश करवट ले रहा है और हमें समय की चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि शिक्षा के क्षेत्र में बिहार पीछे न रहे। राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार सामूहिक प्रयत्न से ही संभव है और यह हमारा दायित्व है तथा हम इससे पीछे नहीं हट सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं तथा नई पीढ़ी को तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लोगों में उनके प्रति आदर और श्रद्धा का भाव होता है। शिक्षकों के मन में यह भाव होना चाहिए कि ईश्वर ने उन्हें समाज निर्माण के एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है। उन्हें अपने मन में एक शिक्षक होने एवं इसके उत्तरदायित्वों के निर्वहन के संबंध में गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पढ़ाने में आनंद की अनुभूति होनी चाहिए तथा उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बिहार के बच्चों को उच्च शिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़े।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके संबंध में सभी महाविद्यालयों में सेमिनार कराने के साथ–साथ विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी इससे अवगत कराया जाए ताकि इस नीति का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

सेमिनार के प्रथम सत्र को आंध्र प्रदेश के केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० टी०वी० कट्टीमणि, दूसरे सत्र को दिल्ली विश्वविद्यालय की विधि (Faculty of Law) की प्रो० के० रत्नावली तथा तृतीय सत्र को भोज विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो० आर०आर० कन्हेरे ने संबोधित किया। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने चौथे सत्र को संबोधित किया। सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भी अपने विचार रखे। सेमिनार के दौरान लोगों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू एवं बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के सदस्य सचिव–सह–राज्य परियोजना निदेशक श्री वैद्यनाथ यादव के अतिरिक्त बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....